Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ छठ व्रत पारण विधि ॥

॥ छठी मैया सबका मंगल करें ॥

Full Disclaimer

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ उषा अर्घ्य के बाद पारण ॥

छठ के चौथे दिन, सामान्यतः शुक्ल सप्तमी की सुबह, उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद उपवास समाप्त किया जाता है। इसे पारण कहते हैं। खरना की शाम प्रसाद ग्रहण करना और इस अंतिम पारण को एक जैसा न समझें।

पूजा का क्रम पूरा करें

उषा अर्घ्य देकर सूर्यदेव और छठी मैया को प्रणाम करें। सूप और प्रसाद को सुरक्षित रखें। परिवार की रीति में बड़ों का आशीर्वाद या घाट पर प्रसाद बाँटना हो तो करें। घर लौटते समय भीड़ और फिसलन से सावधान रहें।

जल और प्रसाद ग्रहण करें

लंबा उपवास रहा हो तो बैठकर धीरे-धीरे साफ जल पिएँ। फिर थोड़ा प्रसाद लें। कुछ घर अदरक, शरबत या अन्य वस्तु से व्रत खोलते हैं; कोई एक पदार्थ सभी का अनिवार्य नियम नहीं है। अपनी स्वास्थ्य-स्थिति के अनुसार सहज भोजन करें।

स्थानीय समय देखें

पारण उषा अर्घ्य के बाद होता है, इसलिए सूर्योदय का समय शहर और तारीख के अनुसार देखें। निश्चित घड़ी का समय दूसरे वर्ष या स्थान से न लें। तबीयत बिगड़े तो धार्मिक समय की प्रतीक्षा में उपचार न टालें।

॥ भोजन, प्रसाद और स्वास्थ्य ॥

हल्का भोजन और विश्राम

लंबे समय बाद एक साथ बहुत भारी भोजन न लें। स्वच्छ, सुपाच्य भोजन थोड़ी मात्रा में शुरू करें और पर्याप्त विश्राम करें। चक्कर, भ्रम, उल्टी, बहुत कमजोरी या पेशाब कम होने जैसे लक्षण हों तो चिकित्सकीय सहायता लें।

प्रसाद बाँटना

ठेकुआ, फल और अन्य प्रसाद परिवार, मित्रों व पड़ोसियों में बाँटें। खाना स्वच्छता से रखें। दूध या पकी खीर को लंबे समय तक कमरे के तापमान पर न छोड़ें। बची सामग्री को जलाशय या घाट में न फेंकें।

पूरे परिवार का सहयोग

व्रती को कामों से राहत दें। बच्चों और बुजुर्गों की भोजन-पानी की जरूरतें सामान्य रूप से पूरी करें। छठ की पूजा श्रद्धा का विषय है; किसी के स्वास्थ्य को संकट में डालकर उपवास जारी रखना आवश्यक नहीं है।

यह सामान्य पारण क्रम है। क्षेत्रीय भोजन और विशिष्ट विधान घर की परंपरा से जानें। आवश्यक दवा स्वयं बंद न करें।

॥ छठी मैया सबका मंगल करें ॥

HarGharPanditji
AT YOUR DOOR